अनुशासित जीवन ही स्वस्थ जीवन का राज

- महावीर मेडिका सुपरस्पेशियलिटी हॉस्पिटल में विश्व हृदय दिवस पर हार्ट फेल्योर क्लिनिक का उद्घाटन

जागरण संवाददाता, रांची : रांची विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमेश पांडेय ने कहा कि अनुशासित जीवन ही स्वस्थ जीवन का राज है। हृदय को स्वस्थ रखे बिना हम स्वस्थ जीवन नहीं जी सकते हैं। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में अनुशासित जीवन सबसे बड़ी चुनौती है।

वे भगवान महावीर मेडिका सुपरस्पेशियलिटी हॉस्पिटल के सभागार में विश्व हृदय दिवस के अवसर पर आयोजित हार्ट फेल्योर क्लिनिक के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

प्रो. पांडेय ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में सीएसआर (कॉरपोरेट सोशल रिस्पोंसिबिलिटी) के तहत तमाम संस्थाएं बहुत काम कर रही हैं। लेकिन, अब वक्त आ गया है कि लोग आइएसआर (इंडिविजुअल सोशल रिस्पांसिबिलिटी) को भी उतनी ही तवज्जो दें। मेडिका सुपरस्पेशियलटी हॉस्पिटल के मेडिकल डायरेक्टर न्यूरो सर्जन डॉ. संजय कुमार ने कहा कि विश्व हृदय दिवस मनाने का एकमात्र उद्देश्य हृदय रोग के प्रति आमजन में जागरूकता फैलाना है। हृदय रोग के लक्षण नजर आने पर मरीज जितनी जल्दी अस्पताल पहुंच जाए, उसका उतना ही बेहतर इलाज संभव है। इस परिस्थिति में अभिभावक मरीज को ऐसे अस्पताल में ले जाएं, जहां हृदय रोग के इलाज की समस्त सुविधाएं उपलब्ध हों। उन्होंने कहा कि खान-पान और जीवन शैली में बदलाव लाकर हृदय रोग से काकी हद तक बचा जा सकता है किडनी रोग विशेषज्ञ डॉ. एके वैद्य ने कहा कि शरीर में हृदय की कितनी अहमियत है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जब तक हृदय की धड़कन पूरी तरह बंद नहीं हो जाती है तब तक डॉक्टर किसी को मृत नहीं घोषित करते हैं। हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. दीपक गुप्ता ने कहा कि हृदय रोग से बचाव के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर डॉ. विजय मिश्रा, डॉ. पैट्रिक मिंज आदि थे।

मेडिका अस्पताल में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन करते रांची विश्वविद्यालय के कुलपति।

50 लोगों ने कराया निःशुल्क इलाज

जागरण संवाददाता, रांची : विश्व हृदय दिवस के अवसर पर ऑर्किड मेडिकल सेंटर में निःशुल्क हृदय रोग जांच शिविर लगाया गया है। शिविर में अस्पताल की हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. ज्ञांति सिंह ने मरीजों को निःशुल्क परामर्श दिया। उन्होंने हृदय रोग से संबंधित कारणों, इलाज एवं बचाव के प्रति जागरूक किया। इस शिविर में लगभग 50 लोगों ने अपना इलाज करवाया। चिकित्सक की सलाह पर इसीजी एवं इकोकार्डियोग्रफी की जांच निःशुल्क प्रदान की गई।